आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:31/12/2022; Published:31/01/2023

सूर्योदय

डॉ. सुमन शर्मा

मूल: डॉ. गीता गीडा (गुजराती)

पर्वतों के बीच तेजपुंज,
पक्षियों के कलरव का लय,
जगत में हुआ सूर्योदय.....।

संत सत्संग से तन्मय,
जीवन हुआ ज्योतिर्मय,
अंतर्मन मैं हुआ सूर्योदय.....।

बलिदान रंग लाया शहीदों का,
फिरंगीयों का दूर हुआ भय,
देश में हुआ सूर्योदय.....।

अंधकार का हुआ आलोप,
पथ बना प्रकाश मय,
ब्रम्हाण्ड में हुआ सूर्योदय.....।

भावना से भक्ति की,
दूर हुआ अंतस् का संशय
अंतर् में हुआ सूर्योदय.....।

सत्कर्मों की ज्योत जगाकर,
व्यक्तित्व बना तेजोमय,
जीवन में हुआ सूर्योदय.....।

****